



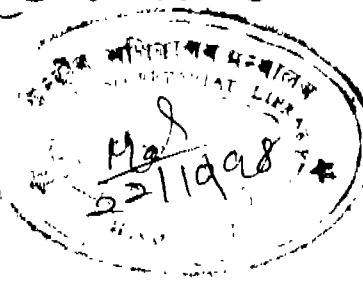
# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 400 ]  
No. 400 ]

नई दिल्ली, मंगलबार, जून 30, 1998/आषाढ़ 9, 1920  
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 30, 1998/ASADHA 9, 1920

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 30 जून, 1998

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता)  
(तीसरा संशोधन) विनियम, 1998

का. आ. 545 (अ).— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम अनाता है।

I. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998 कहा जा सकेगा।

(ii) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

II. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 (इसमें इसके पश्चात् 'विनियम' के रूप में निर्दिष्ट) में—

1. विनियम 12, उप-विनियम (3) में, अंत में आने वाले शब्दों “प्रपत्र के पैरा 5 के उप पैरा (ख)” को शब्दों “पहली अनुसूची के प्ररूप के उपाबंध ख के पैरा 1” शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

2. विनियम 13 में—

(क) उप-विनियम (1) में, खंड (घ) के पश्चात् निम्न खंड (ह) और (च) अंत: स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(ड) विदेशी संस्थागत निवेशक ने जिसके माध्यम से रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है, वचनबंध प्रस्तुत किया है कि उपलेखा पहली अनुसूची के प्रपत्र के उपाबंध ख के पैरा 2 में विनिर्दिष्ट रीति में इस उप विनियम में निर्दिष्ट मानदंड पूरे करता है।”

“(च) उप लेखा ने दूसरी अनुसूची के अनुसार रजिस्ट्रीकरण फीस का संदाय किया है।”

(ख) उप विनियम (2) के लिए निम्न उप-विनियम (2) प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) बोर्ड उप विनियम (1) में निर्दिष्ट अनुसार व्यवहार और रजिस्ट्रीकरण फीस प्राप्त होने पर, उप लेखा को रजिस्ट्रीकरण प्रदान करेगा।”

3. विनियम 15 में,—

(क) उप विनियम (1) में, खंड (ग) के पश्चात् एक नया खंड (घ) परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) एक मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज में व्यापारित व्युत्पन्नियाँ।”

(ख) उप विनियम (2) में, प्रथम परन्तुक में शब्दों “असूचीबद्ध या” को शब्दों “स्टाक एक्सचेंज में” के पश्चात् और शब्दों “सूचीबद्ध या” के पहले अंतःस्थापित किया जाएगा।

(ग) उप विनियम (3) में,

(i) खंड (क) के पश्चात् एक परन्तुक परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि खंड (क) में अंतर्विष्ट कुछ भी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज में व्यापारित व्युत्पन्नियों के संब्यवहार की आबत प्रयोज्य नहीं होगा।

(ii) खंड (ग) में, प्रथम परन्तुक के पश्चात्, निम्न परन्तुक परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और भी कि खंड (ग) में अंतर्विष्ट कुछ भी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के अनुसार अर्जनकर्ता द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के जवाब में विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रयोज्य नहीं होगा।”

4. पहली अनुसूची में,

(क) प्ररूप क में, पैरा 5 में, उप पैरा (ख) को निम्न पैरा (ख) से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) कृपया प्रत्येक ग्राहक की आबत जिसके लिए उप लेखा रजिस्ट्रीकरण माना जा रहा है अतिरिक्त जानकारी और व्यवहारिक अंतर्विष्ट के अनुसार, जैसा इस प्ररूप के उपार्थ ख में भी निर्दिष्ट है।”

(ख) उपार्थ क के पश्चात् एक उपार्थ ख परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :—

### उपार्थ ख

[विनियम 12(3), 13(1)(छ) और प्ररूप क का पैरा 5 (ख) देखें]

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) 1995 के विनियम 13 की उप विनियम (1) के निबंधनों के अनुसार, प्रत्येक ग्राहक की आबत जिसके लिए उप लेखा रजिस्ट्रीकरण माना जाता है अतिरिक्त जानकारी और व्यवहारिक अंतर्विष्ट के अनुसार :

1. उप लेखा निम्न व्यौरों का प्रबंध करें :

(i) ग्राहक/उप लेखा का नाम

(ii) ग्राहक/उप लेखा का निगमन या स्थापना की तारीख और स्थान

(iii) ग्राहक/उप लेखा (अर्थात् साझेदारी फर्म, निजी कंपनी, सार्वजनिक कंपनी, पेंशन निधि, पारस्परिक निधि, विनिधान न्यास आदि) का गठन

(iv) ग्राहक/उप लेखा द्वारा प्रयोग किए जाने वाले धरेलू अभिरक्षक और नामनिर्दिष्ट बैंक का नाम।

उपलेखा/ग्राहक का प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता :

(उप-लेखा का नाम)

(हस्ताक्षर)

विसंविधि द्वारा अप्रेषित

(विसंविधि का नाम)

(हस्ताक्षर)

2. कृपया ग्राहक/उपलेखा के बारे में विसंविधि द्वारा निम्नलिखित व्यवहार का उपार्थ करें :

क. “हम एतद्वारा वचन करते हैं कि \_\_\_\_\_ (ग्राहक/उप लेखा का नाम दें)

(i) भारत के बाहर स्थापित या निर्गमित एक संस्थान या निधि या संविभाग है और भारत में विनिधान करने की प्रस्ताव करता है;

(ii) विनियम \_\_\_\_\_ के निबंधनों के अनुसार एक विस्तृत आधारीय निधि है [या ऊपर (i) में उल्लिखित विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता को स्वत्वधारी निधि] (जो भी लागू हो उल्लेख करें) है;

(iii) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (नाम और भाष्रविबो रजिस्ट्रीकरण संख्या दें) जिसके माध्यम से बोर्ड को रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र धारण करता है; और

(iv) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता जिसके माध्यम से उपलेख के रजिस्ट्रीकरण का आवेदन किया गया है उपलेखा की ओर से विनिधान के लिए प्राधिकृत है।

ख. हम अपने ग्राहक/उप लेखा \_\_\_\_\_ (ग्राहक/उप लेखा का नाम दें) की बाबत यह भी वचन करते हैं कि;

(क) ग्राहक/उप लेखा या इसके निदेशक न्यायालय द्वारा नैतिक अधमता अंतर्वर्तित होने वाले किसी अपराध या कपट के लिए सिद्धदोष नहीं ठहराये गए हैं और उसके संबंध में छह मास से अधिक की अवधि के लिए कारावास को उसकी बाबत दंडादिष्ट नहीं किए गए हैं;

(ख) ग्राहक/उप लेखा के विरुद्ध कोई परिसमापन आदेश पारित नहीं किए गए हैं;

(ग) किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा ग्राहक/उप लेखा को वित्तीय क्षेत्र में किसी क्रियाकलाप को स्थायी रूप से किए जाने से निलंबित या विवर्जित करते हुए कोई आदेश पारित नहीं किए गए हैं;

(घ) पिछले पाँच वर्षों में किसी प्राधिकारी द्वारा ग्राहक/उप लेखा को कोई अनुज्ञाप्ति/अनुमोदन को प्रत्याहरित या प्रदान करने से इन्कार करते हुए, जिसका प्रतिभूति बाजार से संबंध हो, कोई आदेश पारित नहीं किया गया है;

(ङ.) किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कोई शास्ति अधिरोपित (जिसमें आर्थिक शास्ति सम्मिलित है) की गई है।

ग. यदि ग्राहक/उप लेखा एक विस्तृत आधारीय निधि है, कृपया निम्नलिखित और वचनबंध उपबंधित करें :

“हम वचन करते हैं कि \_\_\_\_\_ (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का नाम दें) की स्वत्वधारी निधियां ग्राहक/उप लेखा के माध्यम से विनिहित नहीं की जाएंगी।”

या

यदि ग्राहक/उप लेखा विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की एक स्वत्वधारी निधि है, कृपया निम्नलिखित और वचन उपबंधित करें :

“हम वचन करते हैं कि \_\_\_\_\_ (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का नाम दें) की स्वत्वधारी निधियां ग्राहक/उप-लेखा के माध्यम से विनिहित नहीं की जाएंगी।”

हम एतद्वारा सहमत होते हैं और घोषणा करते हैं कि ऊपर उपबंधित जानकारी और दिए वचन पूर्ण और सक्षी हैं।

और हम और सहमत होते हैं कि हम उपलब्ध कराई जानकारी में किसी परिवर्तन की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय रिजर्व बैंक को तुरन्त देंगे।

घि. सं. वि. का प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता :

(वि.सं.वि. का नाम)

(हस्ताक्षर) ”

5. दूसरी अनुसूची में,—

(क) पैरा (2) के पश्चात् और पैरा (3) के पूर्व, एक नया पैरा (2क) अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2क) विनियम 12 के अधीन उप-लेखा के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अमरीकी डॉलर \$1,000” की रजिस्ट्रीकरण फीस द्वारा संलग्न किया जाएगा/होगा, जो रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रारम्भिक आवेदन के समय तथा साथ ही प्रत्येक नवीकरण के समय संदेय की जाएगी/होगी, और नवीकरण की बाबत संदर्भ फीस बोर्ड द्वारा सूचना के 15 दिनों के भीतर संदर्भ की जाएगी/होगी।

(ख) पैरा 3 में, शुरू में आने वाले शब्द “फीस” के लिए, शब्द “रजिस्ट्रीकरण फीसों” से प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

- पादटिप्पणः—** (1) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 मूल विनियम, सं. भाप्रविबो/विधि/918(अ), 14 नवम्बर, 1995 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था।
- (2) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1996 द्वारा हुआ था जो 9 अक्टूबर, 1996 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 702(अ), में प्रकाशित हुआ था।
- (3) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1996 द्वारा हुआ था जो 19 नवम्बर, 1996 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 799(अ), प्रकाशित हुआ था।
- (4) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1997 द्वारा हुआ था जो 14 फरवरी, 1997 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 105(अ), में प्रकाशित हुआ था।
- (5) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता,) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1997 द्वारा हुआ था जो 10 जुलाई, 1997 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 495(अ), में प्रकाशित हुआ था।
- (6) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता,) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1997 द्वारा हुआ था जो 5 दिसम्बर, 1997 को भारत के राजपत्र, में प्रकाशित हुआ था।
- (7) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता,) (संशोधन) विनियम, 1998 द्वारा हुआ था जो 20 अप्रैल, 1998 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 333 (अ), में प्रकाशित हुआ था।
- (8) भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता,) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998 द्वारा हुआ था जो 18 मई, 1998 को भारत के राजपत्र, का. आ. सं. 417 (अ), में प्रकाशित हुआ था।

### SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 30th June, 1998

Securities and Exchange Board of India

(Foreign Institutional Investors) ( Third Amendment) Regulations, 1998

**S.O.545 (E):-** In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995.

I. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1998.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

II. In the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 (hereinafter referred to as the 'regulations').

1. in regulation 12, sub-regulation (3), for the words "sub-para (b) of para 5 of Form A" occurring at the end, the words "para 1 of Annexure B to form A of the First Schedule" shall be substituted.

2. in regulation 13.—

(a) in sub-regulation (1), the following clauses (e) and (f), shall be inserted after clause (d), namely:-

"(e) The Foreign Institutional Investor through whom the application for registration is made, has submitted undertakings that the sub-account fulfils the criteria referred to in this sub-regulation in a manner specified in para 2 of Annexure B to Form A of the First Schedule."

"(f) The sub-account has paid registration fees in accordance with the Second Schedule."

(b) for sub-regulation (2) the following sub-regulation (2) shall be substituted, namely"—

"(2) The Board on receipt of the undertakings and the registration fees as referred to in sub-regulation (1), may grant registration to the sub-account."

3. in regulation 15.—

(a) in sub-regulation (1), after clause (c), a new clause (d) shall be added, namely:—

"(d) derivatives traded on a recognised stock exchange."

(b) in sub-regulation (2), in the first proviso, the word "unlisted or" shall be inserted after the word "in debt securities which are" and before the words "listed".

(c) in sub-regulation (3).

(i) after clause (a), a proviso shall be added, namely:—

"Provided that nothing contained in clause (a) shall apply in respect of transactions in derivatives traded on a recognised stock exchange.

(ii) in clause (c), after the first proviso, the following proviso shall be added, namely:—

"Provided further that nothing contained in clause (c) shall apply to sale of securities by a Foreign Institutional Investor in response to a letter of offer sent by an acquirer in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisitions of Shares and Takeovers) Regulations, 1997."

4. in the First Schedule,—

(a) in Form A, in para 5, for sub-para (b), the following sub-para (b), shall be substituted, namely:—

"(b) Please provide additional information and undertakings, in respect of each client for which sub-account registration is being sought, as specified in Annexure B to this Form."

(b) after Annexure A, an Annexure B, shall be added, namely:—

#### "Annexure B

[(See regulation 12(3), 13(1)(e) and para 5(b) of Form A)]

**Additional information and undertakings to be provided in respect of each client for which sub-account registration is sought, in terms of sub-regulation (1) of regulation 13 of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) 1995 :**

1. Sub-account to provide the following details :

- (i) Name of the client/sub-account
- (ii) Date and place of incorporation or establishment of the client/sub-account
- (iii) Constitution of the client/sub-account (i.e. Partnership Firm, Private Company, Public Company, Pension Fund, Mutual Fund, Investment Trust etc.)"
- (iv) Name of domestic custodian and designated bank to be used by the client/sub-account.

Authorised Signatory of sub-account  
/client:

(Name of sub-account)

(Signature)

Forwarded by FII

(Name of FII)

(Signature)

2. Please provide the following undertakings by the FII in respect of the client/sub-account :

A. "We hereby undertake that the \_\_\_\_\_ (give name of client/sub-account) is

- (i) an institution or fund or portfolio established or incorporated outside India and proposes to make investment in India;
- (ii) a broad based fund in terms of regulation—[or proprietary fund of the Foreign Institutional Investor mentioned in (i) above] (mention whichever is applicable);
- (iii) the Foreign Institutional Investor (give name and SEBI registration number) through whom the application for registration is made to the Board holds a certificate of registration as Foreign Institutional Investor; and
- (iv) the foreign Institutional Investor through whom an application for registration of sub-account is made, is authorised to invest on behalf of the sub-account."

B. "We also undertake in respect of our client/sub-account, \_\_\_\_\_ (give name of the client/sub-account) that :

- (a) the client/sub-account or its directors have not been convicted by a Court for any offence involving moral turpitude or fraud and sentenced in respect thereof to imprisonment for a period greater than six months;
- (b) no winding up orders face been passed against the client/sub-account;
- (c) no order suspending or debarring the client/sub-account from permanently carrying on activities in the financial sector has been passed by any regulatory authority;

- (d) no order withdrawing or refusing to grant any license/approval to the client/sub-account which has a bearing on the securities market has been passed by any authority in the preceding five years;
- (e) any penalty imposed (including monetary penalty) by any regulatory authority has been carried out."
- C. "In case the client/sub-account is a broad based fund, please provide the following further undertaking : "We undertake that the proprietary funds of \_\_\_\_\_(give name of the foreign Institutional Investor) shall not be invested through the client/sub-account."

OR

In case the client/sub-account is a proprietary fund of the Foreign Institutional Investor, please provide the following further undertaking :

"We undertake that only the proprietary funds of the \_\_\_\_\_(give name of the Foreign Institutional Investor) shall be invested through the client/sub-account".

We hereby agree and declare that the information provided and the undertakings given above are complete and true.

And we further agree that we will immediately notify the Securities and Exchange Board of India and the Reserve Bank of India of any change in the information provided.

Authorised signatory of FII :

(Name of FII)

(Signature)

5. in the Second Schedule,-

(a) after para (2) and before para (3), a new para (2A) shall be inserted, namely:-

"(2A) An application for registration of sub-account under regulation 12 shall be accompanied by a registration fee of US \$ 1,000" which shall be payable at the time of initial application for registration as well as at the time of each renewal, and fees paid in respect of renewal shall be paid within 15 days of intimation by the board.

(b) in para 3, for the words "The fee" occurring in the beginning, the words "The registration fees" shall be substituted.

[F. No SEBI/LE/FII/2725/98]

D. R. MEHTA, Chairman

- Footnote:—**
1. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 the principal regulation was published in the Gazette of India on November 14, 1995, vide No. SEBI/LE/918(E).
  2. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was amended by the SEBI (Forcing Institutional Investors) Amendment Regulations, 1996 which was published in the Gazette of India on October 9, 1996 vide S.O. No. 702(E).
  3. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was amended by the SEBI (foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1996 which was published in the Gazette of India on November 19, 1996, vide S.O. No. 799(E).
  4. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was amended by the SEBI (Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1997 which was published in the Gazette of India on February 12, 1997, vide S.O. No. 105(E).
  5. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was further amended by the SEBI (Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1997 which was published in the Gazette of India on July 10, 1997, vide S.O. No. 495(E).
  6. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was further amended by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1997 which was published in the Gazette of India on December 5, 1997.
  7. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was further amended by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1998 which was published in the Gazette of India on April 20, 1998 vide S.O. No. 333 (E).
  8. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was further amended by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1997 which was published in the Gazette of India on May 18, 1998 vide S.O. No. 417 (E).